MAHD-02

December - Examination 2016

M.A. (Previous) Hindi Examination

आधुनिक काव्य

Paper - MAHD-02

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

Note: The question paper is divided into three sections A, B and C. Write answer as per the given instructions.

निर्देश : प्रश्नपत्र खण्ड 'अ', 'ब' और 'स' में विभाजित है। खण्ड 'अ' अतिलघूत्तरात्मक है। खण्ड 'ब' लघुउत्तरातमक एवं खण्ड 'स' में निबन्धात्मक प्रश्न सम्मिलित हैं।

खण्ड – 'अ' **$8 \times 2 = 16$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य है। आप अपने उत्तर को एक शब्दए एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है–

1) **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

(i) मैथिलीशरण गुप्त के काव्य 'जयद्रथ वध' में किस रस की प्रधानता है?

(ii) 'ओ चिंता की पहली रेखा सदी विश्व वन की व्याली'
प्रस्तुत पंक्ति जयशंकर के कौन से महाकाव्य से उद्धृत है?

(iii) 'स्नेह निर्झर बह गया है' कविता की मूल संवेदना लिखिए।

(iv) महादेवी वर्मा के किन्हीं दो काव्य संकलनों के नाम लिखिए।

(v) नरेन्द्र शर्मा कृत 'कर्णोत्थान' कविता का मूल भाव क्या है?

(vi) 'युगधारा' और 'संत रंगे पंखोवाली' काव्य संग्रह के रचयिता कौन हैं?

(vii) 'नई कविता' काव्यधारा के किन्हीं दो कवियों के नाम लिखिए।

(viii) 'छायावाद चतुष्ट्य' में किन–किन कवियों का नाम निहित है?

(खण्ड – ब) **$4 \times 8 = 32$**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में से कोई चार प्रश्न कीजिए। शब्द सीमा लगभग 200 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का है।

2) निम्न पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

''नई बजती उसके हाथों में कोई वीणा नहीं होता कोई अनुराग–राग
अलाप नूपुरों में भी रुन–झुन रुन–झुन रुन–झुन नहीं सिर्फ एवं अव्यक्त
शब्द–सा ''चुप चुप चुप'' है गूँज रहा सब कहीं–
व्योम मण्डल में जगती–तल में–
सोती शान्त सरोवर पर
उस अमर कमलिनी – दल में–

3) निम्न पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

''इस धारा सा ही जग का क्रम
शाश्वत, इस जीवन का उद्‌गम
शाश्वत है गति। शाश्वत संगम।
शाश्वत लघु लहरों का विलास।
हे जग जीवन के कर्णधार। चिर जन्म मरण के आर–पार शाश्वत जीवन–
नौका विहार

मैं भूल गया अस्तित्व ज्ञान। जीवन का यह शाश्वत प्रमाण करता तुझको अमरत्व दान।''

4) **निम्न पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।**

''पर उस स्पन्दित सन्नाटे में
मौन प्रियम्वद साध रहा था वीणा –
नहीं स्वयं अपने को शोध रहा था।
सघन निबिड़ में वह अपने को।
सौंप रहा था उसी किरीट–तरु को।
कौन प्रियम्वद है कि दम्भ कर
इस अभिमन्त्रित कारुवाच के सम्मुख
आवे कौन बजावै।

यह वीणा जो स्वयं एक जीवनभर की साधना रही।

5) जयशंकर प्रसाद कृत कामायनी में – 'सौन्दर्य बोध' पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

6) मैथिलीशरण गुप्त के काव्य की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

7) नागार्जुन की कविता 'हरिजनगाथा' में व्यक्त यथार्थ बोध का चित्रण कीजिए।

8) ''दुष्यन्त कुमार की गजल आम आदमी की पीड़ा और आधुनिक सभ्यता पर व्यंग्य करती है''। इस कथन को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

9) 'आत्महत्या के विरुद्ध' कविता में व्यक्त वैचारिक तनाव को उद्घाटित कीजिए।

(खण्ड – स) $2 \times 16 = 32$

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिए। शब्द सीमा अधिकतम 500 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

10) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' के काव्य के अनुभूति और अभिव्यक्ति पक्ष का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

11) हरिवंश राय बच्चन की काव्य कृतियों का उल्लेख करते हुए हिन्दी काव्य धारा में उनके योगदान का वर्णन कीजिए।

12) 'अज्ञेय प्रयोगवाद के प्रणेता और नई कविता के प्रतिनिधि कवि है।' इस कथन का विश्लेषण कीजिए।

13) दिनकर की राष्ट्रीय चेतना पर एक लेख लिखिए।